foKfIr

प्रजापिता ब्रम्हाकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय के स्पार्क (Spritual Application and Research Centre) विंग के तत्वाधान में मुंशीपुलिया, लखनऊ, सेवा केन्द्र द्वारा ''अध्यात्म एवं वैज्ञानिक अनुसंधान का एकीकरण'' विषय पर एक दिवसीय सेमिनार एवं योग भट्ठी का आयेाजन दिनांक 14 एवं 15 जुलाई 2018 को आई0सी0सी0एम0आर0टी0 के सभागार लखनऊ में आयोजित किया गया।

सेमिनार में ब्रम्हाकुमारीज सेवा केन्द्र मुंशीपुलिया, लखनऊ की संचालिका बी0के0 जयश्री दीदी द्वारा शिवबाबा का आह्वान के साथ, मुख्य अतिथि प्रोफेसर एस0पी0 सिंह, उपकुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय एवं वि ाश्ठ अतिथि प्रोफेसर बलराज चौहान, उप कुलपति, राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, जबलपुर एवं सम्मानित अतिथि श्री राजीव यादव, निदेशक, आई0सी0सी0एम0आर0टी0, लखनऊ सहित आदरणीया राजयोगिनी बी0के0 सरोज दीदी, बी0के0 एकता बहन, एवं गिनीज बुक आफ रिकार्ड एवं लिम्का बुक आफ रिकार्ड से सम्मानित बी0के0 डा0 अदिति सिंहल का स्वागत किया।

मुख्य अतिथि प्रोफेसर एस0पी0 सिंह उप कुलपति लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा उल्लेख किया गया कि प्रजापिता ब्रम्हाकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय एक ऐसा अनूठा विश्वविद्यालय है जहां पर पढ़ाई पढ़ने के लिये कोई प्रवेश परीक्षा नहीं होती है और सभी आयु एवं वर्ग के लोग एक साथ एक ही कक्षा में बैठकर एक ही टीचर द्वारा पढ़ते है।

प्रोफेसर एस0पी0 सिंह द्वारा बताया गया कि चिन्तन व विचारबुद्धि को शुद्ध करें तो इस प्रकार प्राप्त अध्यात्मिक शक्ति से वैज्ञानिक अनुसंधान में एकाग्रता बढ़ती है और परिणाम सुखद होते है, और समाज के लिये लाभकारी होते है।

सम्मानित अतिथि प्रोफेसर बलराज चौहान, उपकुलपति, राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय द्वारा उद्धृत किया गया कि अच्छे समाज की स्थापना प्रजापिता ब्रम्हाकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा ही सम्भव है।

प्रोफेसर बलराज चौहान द्वारा स्पष्ट किया गया कि जीवन को व्यवस्थित करने के लिये मन भेद और मत भेद दूर करने की आवश्यकता है और अध्यात्मिक मूल्यों को धारण करने से सुन्दर समाज की स्थापना की जा सकती है।

स्पार्क विंग की दिल्ली एवं दिल्ली एन0सी0आर जोन की संयोजिका राजयोगिनी ब्रम्हाकुमारी सरोज दीदी द्वारा प्रबन्धन में अध्यात्म के महत्व के बारे में विस्तार से बताया। आदरणीया सरोज दीदी द्वारा इस बात पर जोर दिया गया कि वैज्ञानिक अनुसंधान की सफलता के लिये यह आवश्यक है कि सभी समस्याओं का एवं विषयों का एकीकरण किया जाये एवं विचारों की गति को नियंत्रित करें जिससे यथार्थ में अनुसंधान का कार्य समाज के लिये उपयोगी होगा। आदरणीया सरोज दीदी द्वारा इस विषय पर भी चर्चा की गयी कि अपने मन के विचारों को किस प्रकार नियंत्रित करें, आईडियाज क्लैश न करें और कार्य और बुद्धि (Hands and Heads) का समन्वय हो और आत्मा से आत्मा का कम्युनिकेशन हो।

स्पार्क विंग की मोटिवेशनल वक्ता बी0के0 डा0 अदिति सिंहल द्वारा पाजिटिव सोच की विशिष्टता से ही वैज्ञानिक अनुसंधान को बल मिलेगा, जिससे रिसर्च के परिणाम अच्छे निकलेंगे।

दिनांक 15.07.2018 को मुंशीपुलिया सेवा केन्द्र लखनऊ पर योग भट्ठी का अयोजन प्रातः 6:00 बजे से रात्रि 8:00 बजे तक किया गया इस योग भट्ठी का संचालन आदरणीया राजयोगिनी सरोज दीदी एवं बी0के0 डा0 अदिति सिंहल एवं बी0के0 एकता बहन द्वारा किया गया। योग भट्ठी के समापन पर आदरणीया राजयोगिनी सरोज दीदी द्वारा सभी सदस्यों को टोली (प्रसाद) वितरित की गई। सेवाकेन्द्र इंचार्ज राजयोगिनी बी0के0 जयश्री दीदी ने सभी वक्ताओं को और प्रतिभागी सदस्यों को धन्यवाद दिया और उज्जवल भविष्य की कामना की।